सत्र 2024 -2025 के लिए पाठयक्रम (कक्षा -V)

विषय - हिंदी

<u>शिक्षकों के लिए सुझाव</u>

- खेल आधारित, गतिविधि आधारित व समूह आधारित शिक्षण विधियों का प्रयोग करें। गतिविधियों में विद्यार्थियों को एक दूसरे से सीखने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हों।
- भाषा शिक्षण के लिए कक्षा लाइब्रेरी, समाचार-पत्र, वीडियो और ऑडिओ रिकॉर्डिंग आदि का भी प्रयोग करें। बच्चों को सिर्फ़ किताबों तक ही सीमित ना रखा जाए।
- भाषा के चारों कौशलों (श्रवण कौशल, वाचन कौशल, पठन कौशल और लेखन कौशल) को बराबर महत्व दें। बच्चों को ऐसी गतिविधियाँ करवाई जाएँ जिनसे सभी कौशलों का विकास हो सके।
- जब आप कोई भी पाठ बच्चों को पढ़ा रहे हो तो उसके पाठ के लेखक और प्रयोग की गई साहित्य की विधा के बारे में भी बच्चों को ज़रूर बताएँ।
- व्याकरण भाषा शिक्षण का अभिन्न अंग है व्याकरण बच्चों को रटाया ना जाए। व्याकरण के व्यवहारिक स्वरूप पर अधिक बल दें व उसका सन्दर्भ में प्रयोग करना सिखाएँ।

सत्र 2024 -2025 के लिए पाठयक्रम							
कक्षा -V							
विषय - हिंदी							
क्रम संख्या	**पाठ संख्या**	**पाठ का नाम**	**सीखने के प्रतिफल**	**कक्षा 3 और 4 से पाठ्यक्रम का मिलान**	**टिप्पणी (कौशल) - वाचन, श्रवण, पठन, लेखन**	**सुझावित गतिविधि**	**सुझाई गई सामग्री संवर्धन कार्यपत्रिका**
सत्र 1							
1	1	राख की रस्सी (लोक कथा)	• नए शब्दों के अर्थ शब्दकोश में खोज सकते हैं तथा उन्हें वाक्यों में प्रयोग कर सकते हैं। • लोक कथाओं के बारे में जान सकते हैं।	नुक्ते की पहचान व आवाज़ की समझ, वाक्य बनाना, संज्ञा का ज्ञान	वाचन व श्रवण कौशल -होशियारी पर कोई अन्य कहानी सुनाना, संकेतों के आधार पर राज्यों के नाम ढूँढ़ना। पठन कौशल- सस्वर व मूक पठन, विद्यार्थियों को पृष्ठ संख्या 10 और 11 पर दिया गद्यांश पढ़ने के लिए कहिए और उन पर आधारित सरल प्रश्न-उत्तर पूछिए। लेखन कौशल- अनाजों के नाम, श्रुतलेख, सुलेख, शब्दार्थ, प्रश्नोत्तर, चित्र वर्णन, कहानी लेखन। व्याकरण-संज्ञा और उसके भेद, नुक्तेवाले शब्द आदि का सन्दर्भ में प्रयोग।	- कक्षा का बीरबल गतिविधि (पृष्ठ संख्या 9) - अपठित गद्यांश में संज्ञा शब्दों को पहचानना व उन संज्ञा शब्दों से नए वाक्यों का निर्माण। - कहानी की नाटक प्रस्तुति - कोई लोककथा विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए दीजिए और उसे अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहिए।	मंथन कार्यपुस्तिका की कार्यपत्रिका क्र. 6 एवं 7

2	3	खिलौने वाला (कविता)	• साधारण कहानी अथवा कविता को आसानी से पढ़ सकते हैं एवं उससे संबंधित प्रश्नों का उत्तर एक या दो वाक्यों में मौखिक एवं लिखित रूप में देते हैं। • पारंपरिक खेलों के बारे में जानेंगे।	तुकांत शब्द, नाम वाले शब्द, कविता का भाव समझना	<u>वाचन व श्रवण कौशल -</u> कविता को उचित लय, हाव-भाव के साथ गाना, कविता का भाव बताना, त्योहारों से जुड़ी कहानी कक्षा में सुनाना। <u>पठन कौशल-</u> पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देना, विद्यार्थियों को कोई अन्य कविता पढ़ने के लिए दीजिए और उस पर आधारित प्रश्न पूछिए <u>लेखन कौशल-</u> तुकांत शब्द लिखना, अपने अपने खिलौनों के नामों को सूचीबद्ध करना। कविता लेखन में खाली स्थान भरो (दिए गए संकेत शब्दों के आधार पर), श्रुतलेख। <u>व्याकरण-</u> सर्वनाम, तुकांत शब्द आदि का सन्दर्भ में प्रयोग।	- खिलौने वाले की भूमिका का निर्वहन। - अपनी संस्कृति के प्रति जागरूकता। - किसी अन्य कविता को गाना व सुनना। - खिलौनों के विषय में चर्चा करना।	
3	6	चिट्ठी का सफर (लेख)	• अपनी कल्पना से कहानी, कविता, पत्र आदि लिख सकते हैं तथा उन्हें आगे बढ़ा सकते हैं। • औपचारिक और अनौपचारिक पत्र लिख सकेंगे।	सर्वनाम वाले शब्द, वचन बदलो, विलोम शब्द।	<u>वाचन व श्रवण कौशल-</u> पैदल हरकारों/ डाकियों की समस्याओं व डाक के इतिहास पर चर्चा। <u>पठन कौशल-</u> सस्वर व मूक पठन, विद्यार्थियों को समाचार पत्र या किसी पत्रिका से कोई लेख पढ़ने के लिए दीजिए और उस पर आधारित प्रश्न पूछिए। <u>लेखन कौशल-</u> अनौपचारिक पत्र (अपने मित्र या संबंधी को), द्वित्व व्यञ्जन वाले शब्द लिखना। <u>व्याकरण-</u> पाठ से विशेषण खोजना,	- कुछ वर्ष पूर्व इस्तेमाल किए जाने वाले डाक के साधनों पर बातचीत। - डाक-टिकट इकट्ठा करो और कॉपी में चिपकाओ।	

					शब्दकोश का प्रयोग (शब्दों को वर्णमाला के अनुसार क्रम से लगाना व शब्दकोश में अर्थ खोजना) ।		
4	8	वे दिन भी क्या दिन थे (विज्ञान कथा)	• बुलेटिन बोर्ड, पोस्टर, विद्यालय पत्रिका, बाल पत्रिका, रिपोर्ट आदि को पढ़ कर उनका अर्थ मौखिक रूप से समझ सकते हैं।	समय के अनुसार वाक्य बनाना, संचार के साधनों के नाम	<u>वाचन व श्रवण कौशल-</u> समय के अनुसार वस्तुओं व यातायात के बदलते रूपों पर चर्चा (पृष्ठ संख्या 67) <u>पठन कौशल-</u> सस्वर व मूक पठन, पाठ पर आधारित प्रश्न पूछिए, विद्यार्थियों को कक्षा लाइब्रेरी में से कोई विज्ञान कथा पढ़ने के लिए दें और उस पर आधारित प्रश्न पूछिए। <u>लेखन कौशल-</u> डायरी लेखन, अनुच्छेद लेखन, संचार के साधनों के नाम। <u>व्याकरण-</u> कहानी के सन्दर्भ में वर्तमान, भूतकाल और भविष्य काल, क्रिया शब्द, शुद्ध-अशुद्ध वर्तनी आदि का प्रयोग।	- संचार के साधनों के चित्र बनाओ या चिपकाओ व उनपर चर्चा करो। - अपनी डायरी बनाओ और उसमें अपने बचपन से जुड़ी एक घटना लिखो।	
5	9	एक माँ की बेबसी (कविता)	• साधारण कहानी अथवा कविता को आसानी से पढ़ सकते हैं एवं उससे संबंधित प्रश्नों का उत्तर एक या दो वाक्यों में मौखिक एवं लिखित रूप में देते है।	वर्तनी का ज्ञान, शब्दों को तोड़ना व अर्थ, वाक्य संरचना, संज्ञा।	<u>वाचन व श्रवण कौशल -</u> कविता को उचित लय, हाव-भाव के साथ गाना, कविता का भाव बताना, गतिविधि 'तरह-तरह की भावनाएँ' कराइए। <u>पठन कौशल-</u> कविता के पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देना, विद्यार्थियों को कक्षा लाइब्रेरी में से कोई अन्य कविता पढ़ने के लिए दीजिए और उस पर आधारित प्रश्न पूछिए। <u>लेखन कौशल</u>- अनुच्छेद लेखन (मेरी माँ /	- माँ को धन्यवाद कार्ड बना कर दीजिए। - कविता को अलग अलग लय ताल में गाने के लिए प्रेरित करना। - अपनी माँ का चित्र बनाएँ।	

			• बच्चों में संवेदनशीलता का विकास होगा।		पिता/ भाई / बहन / दादाजी आदि) व्याकरण- भाववाचक संज्ञा, मुहावरे, विशेषण, उपसर्ग-प्रत्यय, पर्यायवाची शब्द आदि का सन्दर्भ में प्रयोग।		
6	11	चावल की रोटियाँ (नाटक)	• भाषा की व्याकरणिक इकाइयों जैसे विराम चिह्न,कारक चिह्न, क्रिया, काल, विलोम शब्द आदि की पहचान कर सकते हैं और उनका संदर्भपूर्ण प्रयोग करके वाक्य लिख सकते हैं।	वाक्य में कर्ता व कर्म में संबंध समझना, शब्दावली में वृद्धि, व्यञ्जनों की जानकारी	वाचन व श्रवण कौशल - चावल से बनने वाले पकवानों पर चर्चा, पाठ का नाट्य रूपांतरण। पठन कौशल- सस्वर व मूक पठन, नाटक में से कोई अंश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर देना, विद्यार्थियों को कक्षा लाइब्रेरी में से कोई अन्य नाटक पढ़ने के लिए दीजिए और उस पर आधारित प्रश्न पूछिए। लेखन कौशल- चावल से बनने वाले पकवानों के नाम, संवाद लेखन (दो पक्षों की बहस), अपने मनपसंद व्यंजन बनाने के लिए प्रयुक्त होने वाली कच्ची सामग्री व उसे बनाने की विधि लिखना। व्याकरण- कारक (के, में, ने, को, से), समानार्थी शब्द,पर्यायवाची शब्द आदि का सन्दर्भ में प्रयोग।	- पाठ का नाट्य रूपांतरण - भारत के विभिन्न राज्यों की भाषा, कपड़ों, रहन-सहन और खान-पान के बारे में जानना।	

नोट- उपर्युक्त पाठ्यक्रम पुनरावृत्ति के साथ मध्यावधि परीक्षा से पहले पूर्ण हो जाना चाहिए।

सत्र 2							
7	13	स्वामी की दादी (कहानी)	• साधारण कहानी अथवा कविता को आसानी से पढ़ सकते हैं एवं उससे संबंधित प्रश्नों का उत्तर एक या दो वाक्यों में मौखिक एवं लिखित रूप में देते हैं। • कल्पना-शक्ति का विकास होगा।	मुहावरों की समझ, संज्ञा की विशेषता बताने वाले शब्दों की पहचान, पुल्लिंग एवं स्त्रीलिंग की पहचान, शब्दों के उल्टे अर्थ की पहचान	<u>वाचन व श्रवण कौशल-</u> 'तुम इन हालातों में कैसा महसूस करते' विषय पर चर्चा (पृष्ठ संख्या 106), दादी के बक्से के सामान पर चर्चा। <u>पठन कौशल-</u> सस्वर व मूक पठन, पाठ के गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देना, कक्षा लाइब्रेरी में उपलब्ध पुस्तकों में से कोई कहानी विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए दीजिए, विद्यार्थी इसे अपने शब्दों में सुनाएंगे। <u>लेखन कौशल-</u> कहानी लेखन(कहानी आगे बढ़ाना/दिए गए संकेत शब्दों के आधार पर कहानी लिखना)। <u>व्याकरण-</u> विशेषण, दिए गए शब्दों का लिंग पहचानना, विराम चिह्न आदि का सन्दर्भ में प्रयोग।	- दादी के साथ उनके बक्से को देखना, बक्सा जचाने में दादी का सहयोग करना। - वर्ग पहेली में विशेषण खोजना। - कहानी आगे बढ़ाना। - अपनी नानी/ दादी या घर के बड़े से कोई कहानी सुनना।	मंथन कार्यपुस्तिका की कार्यपत्रिका क्र. 15, 17 एवं 18
8	16	पानी रे पानी (लेख)	• अपनी कल्पना से कहानी, कविता, पत्र आदि लिख सकते हैं तथा उन्हें आगे बढ़ा सकते हैं। • छात्र पानी के महत्व को जान पाएंगे।	वाक्यांश पठन, बारिश जल का मुख्य स्रोत इसकी जानकारी, रचनात्मक ता	<u>वाचन व श्रवण कौशल-</u> पृष्ठ संख्या 126-127 का सस्वर वाचन दीजिए और उस पर आधारित प्रश्न पूछिए, बाढ़ व अकाल पर चर्चा, श्रुतलेख <u>पठन कौशल-</u> सस्वर व मूक पठन, विद्यार्थियों को समाचार पत्र या किसी पत्रिका से पानी से सम्बंधित कोई लेख पढ़ने के लिए दीजिए और उस पर	- वर्षा का अवलोकन करके चित्र बनाना व उसपर चर्चा करना। - पानी बचाओ विषय पर पोस्टर बनाना व नारे	

					आधारित प्रश्न पूछिए। लेखन कौशल- औपचारिक पत्र (प्रधानाचार्य को पानी की टंकी की सफाई हेतु प्रार्थना पत्र)। व्याकरण- वाक्यांश के लिए एक शब्द, मुहावरे, अनेकार्थी शब्द आदि का सन्दर्भ में प्रयोग।	लिखना।	
9	17	छोटी सी हमारी नदी (कविता)	• अपनी कल्पना से कहानी, कविता, पत्र आदि लिख सकते हैं तथा उन्हें आगे बढ़ा सकते हैं।	श्रुतलेख, भारत की नदियों की जानकारी	वाचन व श्रवण कौशल- नदी में नहाने या मछली पकड़ने से जुड़े हुए अनुभव साझा करना। पठन कौशल- सस्वर व मूक पठन, कविता का गायन व कविता के अंश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देना, विद्यार्थियों को कोई अन्य कविता पढ़ने के लिए दीजिए और उस पर आधारित प्रश्न पूछिए, चित्र पठन कराइए। लेखन कौशल- अनुच्छेद लेखन (किसी त्योहार पर), दिए गए विषय पर कविता पूरा करना, हिंदी महीनों के नाम, भारत की नदियों के नाम लिखिए। व्याकरण- वर्तनी, तुकांत शब्द, देशज शब्द आदि का सन्दर्भ में प्रयोग।	- नदी के सफर को चित्र द्वारा दर्शाना। - प्रमुख भारतीय नदियों को मानचित्र में दिखाना। - भारतीय कैलेंडर में महीनों के नाम। - नदी पर कविता पाठ करना।	
10	18	चुनौती हिमालय की (यात्रा-	• भाषा की व्याकरणिक इकाइयों जैसे विराम चिह्न,कारक चिह्न, क्रिया, काल, विलोम	संज्ञा की पहचान, पर्वत का अर्थ व	वाचन व श्रवण कौशल- सस्वर वाचन, विद्यार्थी अपनी किसी यात्रा से जुड़े अनुभव कक्षा में सुनाएंगे। पठन कौशल- पाठ के गद्यांश पर	- कोलाज द्वारा पर्वतों का चित्र बनाना। - आप परिवार के	

		वर्णन)	शब्द आदि की पहचान कर सकते हैं और उनका संदर्भपूर्ण प्रयोग करके वाक्य लिख सकते हैं। • छात्र विभिन्न भू-आकृतियों के बारे में जान सकेंगे।	विभिन्न पर्वतों के नामों की जानकारी, भारत के नक़्शे की पहचान	आधारित प्रश्नों के उत्तर देना, कक्षा लाइब्रेरी में उपलब्ध पुस्तकों में से कोई यात्रा-वर्णन विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए दीजिए इस पर आधारित प्रश्न पूछिए। <u>लेखन कौशल-</u> यात्रा के अनुभवों के बारे में कुछ पंक्तियाँ लिखना, दिए गए चित्र का वर्णन करना। <u>व्याकरण-</u> निर्जीव चीज़ों का मानवीकरण (पृष्ठ संख्या 145), विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द, वचन बदलो, लिंग बदलो आदि का सन्दर्भ में प्रयोग।	साथ जहाँ घूमने गए, उस स्थान का यात्रा वर्णन। - पेड़ से मिलने वाली चीज़ों की सूची बनाना। - 'पेड़ बचाओ' विषय पर पोस्टर बनाना।	
11	2	फसलों के त्योहार	• बुलेटिन बोर्ड, पोस्टर, विद्यालय पत्रिका, बाल पत्रिका, रिपोर्ट आदि को पढ़ कर उनका अर्थ मौखिक रूप से समझ सकते हैं। • भारत की विविधता की पहचान कर सकेंगे।	शब्दावली में वृद्धि, व्यंजनों की जानकारी।	<u>वाचन व श्रवण कौशल-</u> संकेतों के आधार पर राज्यों के नाम ढूँढ़ना, अपने राज्य से जुड़े फसलों के त्योहार बताना। <u>पठन कौशल-</u> सस्वर व मूक पठन, एकल पठन गतिविधि, पाठ के गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देना, कक्षा लाइब्रेरी से भारत के त्योहारों से जुड़ी पुस्तक उपलब्ध कराना तथा इस पर आधारित प्रश्न पूछना। <u>लेखन कौशल-</u> नुक्ते वाले शब्दों को लिखना, फसलों के त्योहारों के नाम लिखना, श्रुतलेख, अनाजों से बनने वाले पकवानों के नाम लिखना। <u>व्याकरण-</u> नुक्ते वाले शब्द, वाक्य संरचना आदि का सन्दर्भ में प्रयोग।	- विभिन्न अनाजों के सैम्पल इकट्ठा कीजिए।	

12	5	जहाँ चाह वहाँ राह	• भाषा की व्याकरणिक इकाइयों जैसे विराम चिह्न,कारक चिह्न, क्रिया, काल, विलोम शब्द आदि की पहचान कर सकते हैं और उनका संदर्भपूर्ण प्रयोग करके वाक्य लिख सकते हैं। • बच्चों में संवेदनशीलता का विकास होगा।	वाक्य संरचना, संज्ञा।	<u>वाचन व श्रवण कौशल-</u> 'बचपन में खेले जाने वाले खेल' विषय पर चर्चा। <u>पठन कौशल-</u> सस्वर व मूक पठन, समूह पठन गतिविधि, पाठ के गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देना। <u>लेखन कौशल-</u> अनौपचारिक पत्र, बच्चों द्वारा घर पर किए जाने वाले काम की सूची बनाना। <u>व्याकरण-</u> क्रिया का सन्दर्भ में प्रयोग।	- इला के बारे में पढ़कर जैसे भाव तुम्हारे मन में उठ रहे हैं उन्हें इला को चिट्ठी लिखकर बताइए।	

नोट- उपर्युक्त पाठ्यक्रम पुनरावृत्ति के साथ वार्षिक परीक्षा से पहले पूर्ण हो जाना चाहिए।